तापमान
अधिकतम 30 .4 डिग्री
न्यूनतम 7 .4 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, शनिवार, 8 मार्च 2025

9 जीवन बचाने वाली जीवनवाहिनी खुद बीमार

10 दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने पर किया मंथन

खबर संक्षेप

मंदिर में तीन संतों की मूर्तियां प्रतिष्ठित

गोहाना। शहर में बस स्टैंड के निकट शिव मंदिर में तीन संतों की मूर्तियों की प्रतिष्ठा की गई। इससे पहले श्रद्धालुओं ने धूमधाम से कलश यात्रा निकाली। मूर्तियों के साथ नगर परिक्रमा भी की गई।

बस स्टैंड के निकट श्मशान स्थल के सामने शिव मंदिर है। यहां पर श्रद्धालुओं द्वारा बाबा टेकानाथ, प्रेम नाथ और बारू नाथ की मूर्तियां प्रतिष्ठित की गईं। मूर्तियों को राजस्थान से तैयार करवाया गया। मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मंदिर में विधि विधान से हवन करवाया गया।

स्व. कृष्णा कपूर बनी 1034वीं नेत्रदाता

गोहाना। शहर के मुख्य बाजार में कालू राम हलवाई वाली गली निवासी 83 वर्षीय कृष्णा कपूर को क्षेत्र की 1034वीं नेत्रदाता का दर्जा प्राप्त हुआ। कृष्णा कपूर के निधन के बाद परिजनों द्वारा उनका नेत्रदान करवाया गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। कृष्णा कपूर के परिवार में बेटा-बहू सुभाष कपूर व शकुंतला कपूर व पोता धीरज,कपूर सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

रेलवे कर्मी को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, मौत

गन्नौर। गन्नौर-शाहपुर रोड पर यूनिक स्टेडियम के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक पर ड्यटी जा रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को टक्कर मार दी। उन्हें इलाज के लिए खानपुर मेडिकल में दाखिल करवाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कैलाना गांव का रहने वाला 26 वर्षीय रवि रेलवे विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेयर उपचुनाव : बैयांपुर के 5 मतदान केंद्रों के वोटों की नहीं होगी गिनती

■ हरियाणा चुनाव आयोग ने दिए निर्देश ■ कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान ने की थी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राज्य निर्वाचन आयोग ने महापौर, नगर निगम, सोनीपत के उपचुनाव में मतदान से संबंधित विवाद पर एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है।

■ बैयांपुर के पुराने मतदान केंद्र 157-161 तक के मतों की ही होगी गिनती

आयोग ने आदेश दिया है कि गांव बैयांपुर के केवल पुराने मतदान बूथों के वोटों की गिनती की जाएगी, जबकि हाल ही में जोड़े गए बूथों के मतों को अमान्य घोषित कर दिया गया है।

बता दें कि हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग ने 4 फरवरी को अधिसूचना जारी कर नगर निगमों के आम चुनावों और कुछ उपचुनावों का कार्यक्रम घोषित किया था। इसके तहत महापौर, नगर निगम, सोनीपत के लिए उपचुनाव कराया गया। इस चुनाव में मतदान 2 मार्च को हुआ, और मतगणना 12 मार्च को निर्धारित की गई है। मतदान के बाद आयोग को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सोनीपत मेयर प्रत्याशी कमल दिवान और निर्दलीय प्रत्याशी रमेश खत्री की ओर से शिकायतें प्राप्त हुईं। इन शिकायतों में आरोप लगाया गया कि गांव बैयांपुर के मतदान बूथ संख्या 228, 229, 230, 231 और 232 के मतदाताओं को गलत तरीके से नगर निगम के क्षेत्र में शामिल किया गया है, जिससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। वहीं हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग ने इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त, सोनीपत से रिपोर्ट मांगी। उपायुक्त की रिपोर्ट में नगर निगम, सोनीपत के रिटर्निंग ऑफिसर की टिप्पणियां भी शामिल थीं। रिपोर्ट में कहा गया कि गांव बैयांपुर का कुछ हिस्सा राजस्व रिकॉर्ड के तहत नगर निगम क्षेत्र में आता है, जबकि 'आबादी देह' क्षेत्र निगम के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मतदाता सूची विधानसभा क्षेत्र के आधार पर तैयार की गई थी, और संशोधन के समय किसी भी दल या मतदाता से कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई थी।

आयोग का ये निर्णय

सभी दस्तावेजों और रिपोर्टों की समीक्षा के बाद, राज्य निर्वाचन आयोग ने पाया कि 27 दिसंबर 2020 को हुए पिछले नगर निगम चुनावों में गांव बैयांपुर के केवल बूथ संख्या 157 से 161 को नगर निगम, सोनीपत में शामिल किया गया था। लेकिन इस उपचुनाव के दौरान कुछ अतिरिक्त क्षेत्र भी नगर निगम के तहत जोड़ दिए गए, जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई। इस पर आयोग ने आदेश दिया कि महापौर उपचुनाव के लिए गांव बैयांपुर के केवल बूथ संख्या 157 से 161 के वोटों की गिनती की जाएगी। वहीं, हाल ही में जोड़े गए बूथ संख्या 228, 229, 230, 231 और 232 के वोटों को गिनती से बाहर रखा जाएगा।

फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज

इस फैसले के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस उम्मीदवार कमल दिवान ने आयोग के निर्णय को न्यायसंगत बताया और कहा कि यह लोकतंत्र की निष्पक्षता बनाए रखने का सही कदम है। वहीं, निर्दलीय उम्मीदवार रमेश खत्री ने भी इस फैसले का स्वागत किया। अब सभी की नजरें 12 मार्च को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। क्या इस फैसले से चुनावी परिणाम प्रभावित होंगे? यह तो 12 मार्च को ही स्पष्ट होगा, लेकिन इतना तय है कि इस मामले में प्रशासन की किरकिरी जरूर हुई है।

आयोग के आदेश का अनुपालन अनिवार्य : राज्य निर्वाचन आयुक्त धनपत सिंह ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 243**K** और 243**ZA** तथा हरियाणा नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 9 के तहत लिया गया है। सभी संबंधित अधिकारियों को इस आदेश का तुरंत पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।इस आदेश की प्रति आयुक्त एवं सचिव, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय विभाग, पंचकूला, उपायुक्त सोनीपत, नगर निगम आयुक्त और रिटर्निंग ऑफिसर को भेज दी गई है।

बड़ी में स्कूल बस के नीचे आने से मासूम की मौत

बस चालक मौके से फरार, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

बड़ी गांव में एक स्कूल बस ने दो साल की मासूम बच्ची को कुचल दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पोते को स्कूल बस में बैठाने के लिए आई तो बच्ची भी अपनी दादी पीछे-पीछे आ गई। इसी दौरान लापरवाही से चालक ने बच्ची को देखे बिना अपनी बस चला दी जिससे वह टायर के नीचे आ गई। यह घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। जिसके बाद बच्ची को सोनीपत के निजी अस्पताल में ले जा गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक बच्ची के पिता ने बस चालक के खिलाफ थाना बड़ी में शिकायज दर्ज करवाई है। शिकायत में बड़ी गांव के प्रदीप ने बताया कि उसकी दो बेटिया हैं। उसकी बड़ी बेटी प्रांजल बड़ी लडकी प्राजल 2 साल 3 महीने की थी। प्रांजल

■ हादस गांव में लगे सीसीटीवी में कैद, परिवार में मातम पसरा

शुक्रवार की सुबह गली में मकान के बहार खेल रही थी। इस दौरान उसकी मां सुनीता देवी उनके भतीजे विहान को अपोलो इंटरनेशनल स्कूल की बस में बैठाने के लिए गली बाहार सड़क पर गई थी। जब बस आई तो उसकी बेटी प्रांजल अपनी दादी के पास जाने लगी। जब वह बस के आगे से गुजर रही थी तो बस चालक ने उसे न देखकर बस को चला दिया। जिससे उसकी बेटी बस के दोनों टायरों के नीचे आ गई। प्रदीप ने आरोप लगाया है कि यह हादसा बस चालक ने लापरवाही की वजह से हुआ है।

अवैध खनन में लगे वाहनों पर 5.32 लाख जुर्माना

सोनीपत। जिले में अवैध खनन को पूर्ण रूप से रोकने के लिए विभाग द्वारा दिन-रात चैकिंग की जा रही है। इस कड़ी में वीरवार को खान एवं भू विज्ञान विभाग की टीम द्वारा खनिज से लोड़ गाड़ियों की जांच की गई थी।

उपायुक्त ने बताया कि अवैध खनन के अन्य केस के संबंध में पवन कुमार पुत्र उमेद सिंह निवासी गढ़ मिरकपुर के 1 ट्रैक्टर-ट्राली व 1 ट्रक को एक माह पहले अवैध खनिज परिवहन करते हुए पाये जाने पर पुलिस थाना में बंद करवाया गया था। जिनको जुर्माना राशी 5 लाख 32 हजार रुपये सरकारी खजाने में जमा करवाने उपरांत ही छोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन करने वालों को सहन नहीं किया जाएगा।

सोनीपत। ट्रक के साथ खड़े खनन व पुलिस अधिकारी।

मोबाइल पर वीडियो बनाते समय कार पलटी, दो युवक घायल

गन्नौर। गन्नौर जीटी रोड पर एक युवक को मोबाइल पर वीडियो बनाने महंगा पड़ गया। माडर्न स्कूल के पास वीडियो बनाते समय उसकी कार डिवाइडर से जा टकराई। जिसके बाद कार आगे चल रही गाड़ी को टक्कर मारते हुए पलट गई। गनीमत रही इस हादसे में किसी तरह कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी अनुसार एक युवक अपने साथी के साथ कार में वीडियो बनाने के लिए जीटी रोड पर निकला था। जब वह गढ़ीकला से यूटर्न लेकर जैसे ही हाईवे पर चढ़ने लगा तो वीडियो बनाते समय उसकी कार डिवाइडर से टकरा गई और आगे चल रही कार को टक्कर मारते हुए पलट गई। जिस कारण कार सवार दोनों युवक चोटिल हो गए। हादसे के बाद सड़क पर काफी लंबा जाम लग गया।

■ हादसे के कारण सड़क पर जाम लगा
■ पुलिस ने क्रेन की सहायता से कार को सड़क से हटाया

गाय सीढ़ियां चढ़ तो सकती है, लेकिन उसे उतरने में काफी परेशानी होती है।

यंगभूमि

चींटी एक ऐसा जीव है जिसके पास फेफड़े नहीं होते इसीलिए वह सो नहीं सकती है।

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर का पद शानदार, बनाएं करियर

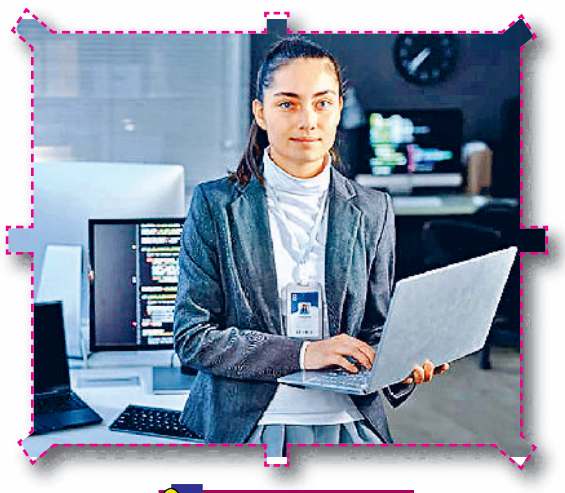

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर एक महत्वपूर्ण पद होता है, जो आज के समय में काफी ज्यादा डिमांड में रहता है। आज का समय टेक्नोलॉजी का युग माना जाता है। ऐसी स्थिति में टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसी भी कार्य को अधिक आसानी से किया जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि वर्तमान समय में हर तरह की कंपनियां व्यवसाय को इस पद पर कार्यरत लोगों की मांग होती है क्योंकि आज के समय में अधिकांश कार्य ऑनलाइन माध्यम से किए जाते हैं। जो कार्य ऑफलाइन माध्यम से होते हैं, उन्हें भी मैनेज करने के लिए तथा व्यापार को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना होता है।

काफी ज्यादा मांग

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर एक महत्वपूर्ण पद होता है, जो आज के समय में काफी ज्यादा डिमांड में रहता है। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि वर्तमान समय में हर तरह की कंपनियां व्यवसाय को इस पद पर कार्यरत लोगों की मांग होती है क्योंकि आज के समय में अधिकांश कार्य ऑनलाइन माध्यम से किए जाते हैं। जो कार्य ऑफलाइन माध्यम से होते हैं, उन्हें भी मैनेज करने के लिए तथा व्यापार को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना होता है। आज का समय टेक्नोलॉजी का युग माना जाता है। ऐसी स्थिति में टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसी भी कार्य को अधिक आसानी से किया जाता है। यहां मुख्य अधिकारी कंपनी के अंतर्गत सभी तरह के तकनीकी संसाधनों का प्रबंधन करता है उसका मूल्यांकन करता है तथा कंपनी का राजस्व अधिक बढ़ाने के लिए जरूरी हर तरह के टेक्नोलॉजी से संबंधित उपकरण उपलब्ध कराता है और उन पर अपनी निगरानी में तथा अपनी जिम्मेदारी से काम करके कंपनी को मदद पहुंचाता है। कंपनी के लिए उपयुक्त तथा उपयोगी हर तरह की टेक्नोलॉजी का लेखा जोखा और उसकी देखरेख मुख्य अधिकारी के अंतर्गत आती है। टेक्नोलॉजी की मदद से कंपनी को आसान तरीके से चलाने का कार्य भी मुख्य तकनीकी अधिकारी का होता है।

करने होते ये काम

- चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर अपनी सूझबूझ से कंपनी के कार्य को अच्छी तरह से फैलाता है तथा कंपनी के मुख्य अधिकारियों को कंपनी को विकसित करने तथा अधिक मुनाफा प्राप्त करने में टेक्नोलॉजी के जरिए मदद करता है। चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर अपनी जिम्मेदारी से कंपनी के अंतर्गत होने वाले टेक्नोलॉजी से संबंधित कार्य को संपन्न करवाता है और टेक्नोलॉजी के सेक्टर से संबंधित कंपनी को हर तरह का सहयोग उपलब्ध कराता है। चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर कंपनी के अंतर्गत होने वाले सभी टेक्नोलॉजी से संबंधित कार्यों की रिपोर्ट कंपनी के मुख्य अधिकारियों को समय-समय पर सौंपता है।
- मुख्य तकनीकी अधिकारी अपनी सूझबूझ से आईटी परियोजनाओं को मार्केट में पहुंचाने का कार्य करता है।
- चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर कंपनी का सभी महत्वपूर्ण और जरूरी डाटा सुरक्षित रखता है।
- कंपनी के लिए जरूरी डाटा को सुरक्षित रखकर उसका प्रबंध करता है।
- मुख्य तकनीकी अधिकारी अपने अनुभव के आधार पर टेक्नोलॉजी की मदद से कंपनी और ग्राहक के बीच बेहतरीन संबंध स्थापित करता है।
- तकनीकी के नए-नए तरीकों से कंपनी के द्वारा विभिन्न प्रकार की समस्या का निवारण किया जाता है।
- तकनीकी की मदद से अत्याधुनिक तरीके से निवेश किया जाता है।
- कंपनी का राजस्व बढ़ाने के लिए मुख्य तकनीकी अधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- कंपनी के लिए उपयोगी उपकरण हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर इत्यादि का संरक्षण और उपयोग सुनिश्चित करता है।

जरूरी योग्यताएं

- सीटीओ बनने के लिए विद्यार्थी को सबसे पहले 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।
- 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थी कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में स्नातक की डिग्री हासिल करना अनिवार्य है।

तनख्वाह

किसी भी कंपनी या व्यवसाय के अंतर्गत आने वाले सीटीओ की सैलरी इस बात पर निर्भर करती है कि वह अधिकारी दुनिया के किस देश में तथा किस प्रकार की कंपनी में काम करता है क्योंकि आमतौर पर बड़ी-बड़ी अमेरिकी कंपनियों में पूरी दुनिया के मुकाबले अतिरिक्त भुगतान किया जाता है। भारत में भी बड़ी-बड़ी कंपनियां मुख्य तकनीकी अधिकारियों को अच्छा वेतन प्रदान करती है। आमतौर पर भारत में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर को प्रतिवर्ष 20,00,000 रुपए से लेकर 30 लाख रुपए के अंतराल में दिए जाते हैं। इसके अलावा अधिकारी के अनुभव और कंपनी के ऊपर सैलरी निर्भर करती है।

कैसे बने सीटीओ

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर बनने के लिए आपको शुरुआत से ही विज्ञान विषय से संबंधित अध्ययन करना चाहिए और इसी फील्ड में आगे बढ़ना चाहिए अगर आप चीफ टेक्नॉलाजी ऑफिसर बनना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपको कंप्यूटर विज्ञान की फील्ड में स्नातक की डिग्री हासिल करनी होगी। ऐसा करने से आपके पास टेक्नोलॉजी से संबंधित महत्वपूर्ण ज्ञान आ जाएगा, जिसके आधार पर आप और अधिक गहराई से अध्ययन कर सकते हैं। आमतौर पर बड़ी-बड़ी कंपनियां सीटीओ के पद पर ऐसे अधिकारियों की नियुक्ति करती हैं जिन्हें पहले से ही कुछ एक्सपीरियंस हो ऐसी स्थिति में आप शुरुआती समय में छोटी कंपनियों में कार्य कर सकते हैं, जिससे समय के अनुसार आपका एक्सपीरियंस बढ़ता रहेगा।

आधुनिक तकनीक अपनाकर कृषि क्षेत्र से भी की जा सकती है अच्छी आमदनी

भारत में एग्रीकल्चर एक बहुत बड़ा क्षेत्र नौकरी के लिए भी अच्छा करियर विकल्प

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

एग्रीकल्चर का अर्थ होता है कृषि। भारत एक कृषि प्रधान देश है क्योंकि युगों युगों से भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। खेती से ही भारत अपना जीवन यापन करता है। देश की अर्थव्यवस्था में खेती का बहुत बड़ा योगदान है। इसीलिए आप एग्रीकल्चर के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। अगर आपने यह सोचा है कि हम आपको खेती करने की सलाह दे रहे हैं, तो यह बिल्कुल गलत है क्योंकि वर्तमान समय में एग्रीकल्चर के रूप में विभिन्न पदों पर कार्यरत होकर आप एक बेहतरीन करियर विकल्प सुन सकते हैं। आज के समय में हमें ऐसी अनेक सारी खबरें देखने को मिलती है जिसमें विदेशों से लोग वापस लौट कर खेती करते हैं और करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि वह लोग इतने सारे पैसे कैसे कमाते हैं। बता रहे हैं कि वर्तमान समय में खेती से संबंधित विभिन्न प्रकार की खेती की पद्धति प्रक्रिया सामने आई है। विशेष रुप से इजराइल की खेती प्रक्रिया से देश में बड़े पैमाने पर खेती की जा रही है। इजराइल खेती प्रक्रिया के अनुसार कम जमीन में और कम समय में लाखों रुपये की कमाई होती है। यही वजह है कि विदेशों में लोग बड़ी-बड़ी नौकरियां छोड़कर अपने देश लौटकर यहां पर खेती करके लाखों और करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। जैसा कि आपको पता ही है कि वर्तमान समय में काम करने के प्रत्येक तरीकों में बदलाव आ चुका है। इसी प्रकार का बदलाव खेती के क्षेत्र में भी आ चुका है। आज के समय में एग्रीकल्चर एक बहुत बड़ा क्षेत्र बन चुका है। जहां पर लोग नौकरी करके एक बेहतरीन करियर विकल्प देखते हैं।

एग्रीकल्चर क्षेत्र के कोर्स

- मास्टर ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर
- मास्टर ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर बॉटनी
- बीटेक इन एग्रीकल्चर
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एंड अलाइड प्रेक्टिसस
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग
- बैचरल ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर
- बैचलर ऑफ साइंस आनर्स
- मास्टर ऑफ साइंस इन बायोलॉजिकल साइंस
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर

अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान

कैसे करे एग्रीकल्चर की पढ़ाई

एग्रीकल्चर में करियर बनाने के लिए आपको विभिन्न प्रकार के कोर्स करने होते है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि वर्तमान समय में एग्रीकल्चर का क्षेत्र बहुत बड़ा है। इसीलिए इसमें आपको विभिन्न प्रकार के नौकरियां करनी होती है विभिन्न प्रकार के पदों पर कार्य करके आप अपना एक बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं। एग्रीकल्चर के सत्र में विभिन्न प्रकार की डिग्रियां उपलब्ध कराई जाती है, जिनमें बेचलर, डिप्लोमा , मास्टर्स इत्यादि शामिल हैं। तो आइए एग्रीकल्चर के क्षेत्र में आने वाले कोर्स के बारे में भी आपको बताते हैं।

आधुनिक कृषि के प्रकार

आज का समय बदल चुका है लगभग प्रत्येक कार्य को आधुनिक तरीके से किया जा रहा है जिसमें इंटरनेट और टेक्नोलॉजी का बहुत बड़ा योगदान है। इसी जगह जी के आधार पर तथा वैज्ञानिकों के सहारे पर अत्याधुनिक तरीके से खेती की जा रही है, जिसमें कम समय में कम जगह पर कार कंपनी से मोटा मुनाफा कमाया जाता है और बड़े पैमाने पर फसल का उत्पादन किया जाता है। इसमें कृषि इंजीनियर पता भारतीय प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तो आइए जानते हैं कि अत्याधुनिक तरीके से आधुनिक कृषि के प्रकार कौन-कौन से हैं?

कृषि इंजीनियरिंग

कृषि के क्षेत्र में भी इंजीनियर की पद्धति शुरू हो चुकी है। बता दें कि कृषि इंजीनियरिंग की मदद से ऐसे विशेष उपकरण तथा मशीनरी बनाई गई है जो कम समय में और कम जमीन पर लाखों रुपये की कमाई वाली फसलों को तैयार करता है। बता दें कि कृषि इंजीनियरिंग के तहत जल की निकासी सिंचाई ग्रामीण बिजली ग्रामीण रचनाएं मिट्टी का संरक्षण तथा कृषि के उपकरण इत्यादि विकल्प शामिल है। कृषि इंजीनियरिंग के अंतर्गत कृषि गतिविधियों को देखा जाता है। कृषि उपकरण कृषि मशीनों का निर्माण की प्रक्रिया जाता है तथा बेहतरीन ढंग से कार्य करवाया जाता है।

करियर विकल्प

एग्रीकल्चर की महत्वता को जानते हुए भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा केंद्र से लेकर ग्रामीण स्तर तक विभिन्न प्रकार के एग्रीकल्चर से संबंधित पद जारी किए गए हैं। आप अपनी शिक्षा और अनुभव के आधार पर विभिन्न एग्रीकल्चर के कार्यों पर कार्यरत रह सकते हैं। आर्टिकल में बताए गए सभी प्रकार के कृषि क्षेत्रों से संबंधित करियर विकल्प विस्तार से जानते हैं।

कृषि इंजीनियरिंग में करियर

कृषि इंजीनियरिंग के सत्र में शिक्षा प्राप्त करने के बाद आप कृषि से संबंधित मशीनरी और कृषि शिक्षा पद्धति को अपने अनुसार नया रूप दे सकते हैं। डिजाइन करवा सकते हैं, कंपनियों में काम कर सकते हैं या कृषि अनुसंधान केंद्र में विकास के नए नए उपयोग कर सकते हैं।

अर्थशास्त्र में करियर: कृषि अर्थशास्त्र के क्षेत्र में बेहतरीन करियर विकल्प देखने को मिलता है क्योंकि यहां पर आज के समय में किसानों को खेती करने के लिए ऋण लेना होता है। इसके अलावा कृषि अनुसंधान और कृषि अर्थशास्त्र के रूप में बाजार के रुझानों को जागना होता है।

कृषि विज्ञान में करियर के अवसर

एग्रीकल्चर के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप कृषि विज्ञान का क्षेत्र चुन सकते हैं क्योंकि इसमें मुख्य रूप से मिट्टी से संबंधित रिसर्च की जाती है, जिसमें मिट्टी के अनुसार हवा और पानी तथा समय के अनुसार कौन-कौन सी फसलें होगी तथा किस प्रकार से उन्हें उगाना है? और कौन-कौन से खाद एवं उर्वरक तथा कीटनाशक का उपयोग करना है। इस बारे में जानकारी दी जाती है।

बागवानी

आज के समय में लाखों की संख्या में लोग बागवानी के शौकीन हैं। बागवानी के अंतर्गत विदेशी फूलों वाले पेड़ न, विदेशी पेड़, विभिन्न प्रकार के बाग बगीचे, खूबसूरत पुराने पेड़ पौधे लगाए जाते हैं। पेड़ पौधों को बड़ा करने के लिए और हमेशा स्वस्थ रखने के लिए विभिन्न प्रकार की जड़ी बूटियां दवाइयां दी जाती है। तथा उनकी देखभाल की जाती है इसके लिए विशेष प्रकार की कृषि विज्ञान की पढ़ाई करवाई जाती हैं।

वर्तमान समय में भारत में बागवानी के शौकीन बड़ी मात्रा में देखने के लिए मिल जाते हैं। विशेष रुप से अमीर लोग अपने फार्म हाउस पर बागवानी लगाते हैं। इसीलिए उन्हें बड़े पैमाने पर कृषि वैज्ञानिक की भी आवश्यकता पड़ती है।

बागवानी के लिए शीर्ष संस्थान

- आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, पुणे
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना
- गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर

कृषि अर्थशास्त्र

अत्याधुनिक तरीके से कृषि करने के लिए विभिन्न प्रकार के अर्थशास्त्र के सिद्धांतों का उपयोग किया जाता है, जिसके आधार पर व्यापार और कृषि वस्तुओं का उत्पादन विभिन्न प्रकार के तरीके, कृषि उत्पादों की मांग, आपूर्ति, कृषि से संबंधित मदद, कृषि क्षेत्र में विशेषज्ञों का अनुभव तथा फसल, विज्ञान नीति, विश्लेषण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, व्यापार, कृषि के उत्पादन आयात निर्यात कृषि क्षेत्र में पशुधन कृषि अर्थशास्त्र के रूप से नीति विश्लेषण, कृषि ऋण विश्लेषण, कृषि व्यवसाय इत्यादि कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शीर्ष संस्थान : कृषि अर्थशास्त्र क्षेत्र में कोर्स करवाने वाले भारत के शिक्षण संस्थान निम्नलिखित हैं –

- चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर
- महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

कृषि विज्ञान

कृषि विज्ञान अत्याधुनिक समय की कृषि के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि से संबंधित प्रत्येक छोटी-बड़ी विषय वस्तु को जांच के आधार पर परखा जाता है, जिसमें विशेष रूप से मिट्टी का अध्ययन किया जाता है। मिट्टी के अनुसार पानी, फसल, खाद, बीज, उर्वरता, हवा, नमी, कीड़े, कीटनाशक इत्यादि के आधार पर फसल का रंग रूप तैयार किया जाता है। सबसे पहले मिट्टी की जांच करके यह देखा जाता है, किस मिट्टी में तथा संबंधित पानी में यहां के वातावरण के अनुसार कौन-कौन सी फसल हो सकती है? कौन से समय हो सकती है तथा उसके लिए कितना पानी लगेगा और किस प्रकार से कीटनाशक का उपयोग करना है। इत्यादि सभी महत्वपूर्ण जानकारी कृषि विज्ञान के क्षेत्र से संबंधित हासिल की जाती है।

शीर्ष संस्थान : एग्रीकल्चर के सत्र में आप करियर बनाना चाहते हैं, तो कृषि विज्ञान का सत्र अवश्य चुनें, क्योंकि यहां पर आपको बेहतरीन और विभिन्न प्रकार के कृषि विज्ञान से संबंधित करियर विकल्प देखने को मिलेंगे। भारत में कृषि विज्ञान की शिक्षा दिलाने वाले निम्नलिखित शिक्षण संस्थान है–

- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, पुणे
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना

बागवानी के क्षेत्र में करियर के अवसर

बागवानी के सत्र में आप एक बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं। इसके लिए फूलों की खेती अंगूर की खेती फलों की खेती सब्जियों की खेती खुशबूदार फूलों को गाना उसका शोषण करना समय समय पर खाद उर्वरक कीटनाशक का उपयोग करना तथा किस प्रकार से आयात निर्यात करना है। इत्यादि इस प्रकार से बागवानी के क्षेत्र में बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं।

परीक्षा का डर स्वाभाविक, यह जीवन के विशाल कैनवास पर एक छोटा–सा पड़ाव

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

परीक्षा के दौरान डर और चिंता का अनुभव करना स्वाभाविक है, लेकिन यह समय जीवन के विशाल कैनवास पर एक छोटा-सा पड़ाव मात्र है। तनाव, शरीर की प्राकृतिक प्रतिक्रिया है जो हमें चुनौतियों के लिए तैयार करता है, पर लंबे समय तक रहने पर यह नींद और आत्मविश्वास को कमजोर कर देता है। इसे प्रबंधित करने के लिए योग, प्राणायाम, या 5-4-3-2-1 तकनीक जैसे व्यावहारिक उपाय अपनाए जा सकते हैं। गीता का सिद्धांत-कर्म करो, फल की इच्छा मत करो- हमें तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने की याद दिलाता है। परिणामों को जीवन की मंज़िल न समझें। टॉम क्रूज, ओप्राह विन्फ्रे, या डॉ. कलाम जैसे उदाहरण साबित करते हैं कि अंक व्यक्ति की क्षमताओं को परिभाषित नहीं करते।

अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य पर फोकस रखें

भारत में रतन टाटा या मैरी कॉम जैसी प्रेरणाएं दिखाती हैं कि सफलता के रास्ते अनेक हैं। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन जैसे संस्थान बिना डिग्री के भी रोज़गार के अवसर प्रदान करते हैं। हर व्यक्ति की प्रतिभा अद्वितीय होती है। हावर्ड गार्डनर के मल्टीपल इंटेलिजेंस थ्योरी के अनुसार, संगीत, शारीरिक कौशल, या सामाजिक बुद्धिमत्ता जैसे गुण भी सफलता की नींव रखते हैं। शौक, इंटर्नशिप, या ऑनलाइन कोर्सेज के माध्यम से इन्हें निखारा जा सकता है। स्वामी विवेकानंद का संदेश- उठो, जागो, और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो-हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। तनाव मुक्ति के लिए समय प्रबंधन, डायरी लेखन, या सहायता माँगना जैसे कदम उपयोगी हैं। पोमोडोरो तकनीक या प्राथमिकता सूची बनाकर पढ़ाई को प्रभावी बनाया जा सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए 7-8 घंटे की नींद, पौष्टिक आहार, और शारीरिक गतिविधियां तनाव कम करने में मददगार हैं। समाज के दबाव को समझते हुए भी अपनी सीमाएं तय करें। माता-पिता से खुलकर बात करें और अपनी योजनाओं को साझा करें। परिणाम के बाद भी जीवन नए रास्ते खोलता है-गैप ईयर, कौशल विकास, या वैकल्पिक शिक्षा संस्थानों के माध्यम से नए लक्ष्य बनाए जा सकते हैं। महाभारत के अर्जुन की तरह, अपने लक्ष्य पर फोकस रखें और शोर को अनदेखा करें। याद रखें, परीक्षाएं आपकी मेहनत को मापती हैं, मगर आपकी मानवता या सपनों को नहीं। एक परिणाम आपके हौसलों का अंत नहीं है। जैसे एक फसल खराब होने पर किसान खेती नहीं छोड़ता, वैसे ही आप भी आगे बढ़ते रहें। अटल जी के शब्दों में-तू न थकेगा कभी, तू न रुकेगा कभी...-यही जीवन की अनंत यात्रा का सार है।

नए अवसर हमेशा मौजूद रहते

1. **मेहनत बनाम पहचान:** परीक्षाएं व्यक्ति की मेहनत और तैयारी का आकलन करती हैं, लेकिन वे उसकी मानवीय मूल्यों (जैसे दया, ईमानदारी) या सपनों की ऊंचाई को परिभाषित नहीं कर सकतीं।
2. **एक परिणाम, अंत नहीं :** किसी एक परीक्षा का नतीजा आपके हौसलों या संभावनाओं का अंतिम फैसला नहीं है। जीवन में नए अवसर और रास्ते हमेशा मौजूद रहते हैं।
3. **किसान का दृष्टांत:** जिस तरह एक बार फसल खराब होने पर किसान खेती नहीं छोड़ता, वैसे ही विद्यार्थी को भी लगातार प्रयास जारी रखना चाहिए। असफलता सीखने का हिस्सा है।
4. **अटल जी का प्रेरक संदेश:** 'तू न थकेगा कभी, तू न रुकेगा कभी...' -यह पंक्ति जीवन को एक अनवरत यात्रा मानने और चुनौतियों से लड़ने की प्रेरणा देती है।
5. **जीवन की विशालता:** परीक्षा परिणाम जीवन के एक पृष्ठ जितना महत्व रखता है, पूरी पुस्तक नहीं। सफलता के लिए धैर्य और लचीलापन जरूरी है।
6. **सपनों की उड़ान:** अंक या ग्रेड आपके सपनों की उड़ान को सीमित नहीं कर सकते। इतिहास गवाह है कि कई महान हस्तियों ने औपचारिक शिक्षा के बिना भी असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कीं।

परीक्षाएं जीवन का एक छोटा चैप्टर हैं, जिन्हें समग्रता में देखना चाहिए। असफलता या सफलता से आगे बढ़ने का साहस ही वास्तविक जीत है।

सामान्य ज्ञान

1. हिंदी किस भाषा परिवार की भाषा है
(ए) भारोपीय
(बी) द्रविड़
(सी) आस्ट्रिक
(डी) चीनी-तिब्बती

2. भारत में सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा कौन सी है
(ए) हिंदी
(बी) संस्कृत
(सी) तमिल
(डी) उर्दू

3. हिंदी भाषा का जन्म हुआ है
(ए) अपभ्रंश से
(बी) लौकिक संस्कृत से
(सी) पालि-प्राकृत से
(डी) वैदिक संस्कृत से

4. निम्न में से कौन सी बोली अथवा भाषा हिंदी के अंतगर्त नहीं आती है
(ए) कन्नौजी
(बी) बांगरू
(सी) अवधी
(डी) तेलुगु

5. हिंदी की विशिष्ट बोली ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है
(ए) राजभाषा
(बी) तकनीकी भाषा
(सी) राष्ट्रभाषा
(डी) काव्यभाषा

6. भारतवर्ष में हिंदी को आप किस वर्ग में रखेंगे
(ए) राजभाषा
(बी) राष्ट्र भाषा
(सी) विभाषा
(डी) तकनीकी भाषा

7. ढूढाली बोली है
(ए) पश्चिमी राजस्थान की
(बी) पूर्वी राजस्थान की
(सी) दक्षिणी राजस्थान की
(डी) उतरी राजस्थान की

8. ब्रजबुली नाम से जानी जाती है
(ए) पंजाबी
(बी) मराठी
(सी) गुजराती
(डी) पुरानी बांग्ला

उत्तर 1.(ए) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(डी) 6.(ए) 7.(बी) 8.(डी)

खबर संक्षेप

जम्मू में विश्वविद्यालय मंदिरों का भ्रमण किया

गोहाना। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के तहत जम्मू में अंतर राज्य संस्कृति आदान-प्रदान कार्यकम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में नेहरु युवा केंद्र सोनीपत के स्वयंसेवकों जम्मू सहित अन्य राज्यों की संस्कृति से रूबरू हुए और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से हरियाणवी संस्कृति की भी अनूठी छाप छोड़ी। स्वयंसेवक इस भ्रमण पर केंद्र के जिला अधिकारी नवीन गुलिया के नेतृत्व में गए। कार्यकम 3 से 7 मार्च तक आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना और अपने राज्यों की संस्कृति का आदान-प्रदान करना रहा।

गांधी जी की स्वच्छता की प्रेरणा को अपनाएं

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय खरखौदा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई दो के सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन की शुरुआत छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाल कर की। इसके बाद स्वयं सेविकाओं ने योग और प्राणायाम किया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाकर प्रार्थना की। इसके बाद महाविद्यालय के गणित विभाग से असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शालिनी ने स्वच्छता अभियान में युवाओं का योगदान विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान की शुरुआत का श्रेय महात्मा गांधी को जाता है। सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी उन्होंने स्वयं सेविकाओं को बताया कि किस तरह से गीला कूड़ा, सूखा कूड़ा का सही उपयोग कर व दोबारा प्रयोग में लाकर हम पेड़ों को भी बचा सकते हैं।

हमें बेटियों के प्रति सोच बदलने की जरूरतः अंजलि

गोहाना। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भगत फूलसिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां में स्त्री-पुरूष समानता में नागरिक दायित्व विषय पर राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ बतौर मुख्यातिथि गोहाना की एसडीएम आईएएस अंजलि श्रोत्रिय ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

एसडीएम ने कहा कि हमें बेटियों के प्रति अपनी सोच को बदलने की जरूरत है। आज भी महिला और पुरूष को समानता की दृष्टि से नहीं देखा जाता। यदि महिलाओं को बराबरी का अवसर मिलेगा तो अवश्य ही प्रत्येक क्षेत्र में और अधिक प्रगति करेंगी।

बेड़े में शामिल पांच गाड़ियां खराब होने से बढ़ी परेशानी

लोगों का जीवन बचाने वाली जीवनवाहिनी खुद पड़ी बीमार

पंचकूला से सर्विस खर्च के नहीं मिले आदेश

नागरिक अस्पताल में गाड़ी को स्टार्ट करने के लिए धक्के मारने पर मजबूर कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। तकनीकी खराब होने के चलते गाड़ी को धक्का मारकर साइड में लगाते हुए कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

जिले में लोगों की जान बचाने में सहायक जीवनवाहिनी (एंबुलेंस) खुद बीमार पड़ी है। बेड़े में शामिल पांच एंबुलेंस सर्विस स्टेशन व अस्पताल परिसर में खड़ी है। जिसके चलते अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों व गर्भवती महिलाओं को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। एंबुलेंसों में तकनीकि खराबी के आने की बाते कही जा रही है। वहीं समय पर एंबुलेंसों के रख-रखाव को लेकर सवाल खड़े होने लगे है। अव्यवस्था इस कदम हैवी हो चुकी है कि मरीजों को अस्पताल से एंबुलेंस मिलने में एक घंटे से ज्यादा का इंतजार करना पड़ रहा है। परेशान तीमारदार निजी एंबुलेंस या निजी वाहन में जाने पर मजबूर हो रहे है। शुक्रवार को एंबुलेंस को स्टार्ट करने के लिए कर्मचारी धक्का मारते हुए नजर आए। वहीं प्रबंधन की तरफ से जल्द से जल्द एंबुलेंस ठीक करवाने की बात कही जा रही है। बता दें कि जिले में बेहत्तर सुविधाएं देने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जीवनवाहिनी (एंबुलेंस) को तैनात किया है। जोकि घायलों व अस्पताल में गंभीर हालत के चलते रेफर होने वाली गर्भवती महिलाओं व घायलों को पीजीआई व अन्य बड़े अस्पतालों में पहुंचाने में सहायक होती है। मौजूद समय में विभाग के पास 30 जीवनवाहिनी (एंबुलेंस) तैनात है। उक्त जीवनवाहिनी (एंबुलेंस)में से हाल में पांच 14 एंबुलेंस में तकनीकी व सर्विस के चलते खराब खड़ी है। जिन्हें उपचार के लिए सर्विस स्टेशन पहुंचाया गया है। वहीं कुछ एंबुलेंस अपने सेंटर पर उपचार का इंतजार कर रही है। मरीजों को अस्पताल ले जा रही एंबुलेंस रास्ते में भी खराब हो जाती है। शुक्रवार को अस्पताल परिसर में कर्मचारी एंबुलेंस को स्टार्ट करने के लिए धक्का मारते हुए नजर आए। गाड़ी स्टार्ट न होने के चलते उसे साइड में खड़ी किया गया है।अलग-अलग जगहों पर गाड़ियों को किया है तैनातः जिला स्वास्थ्य विभाग के पास मौजूदा समय में 30 गाड़ियां मौजूद है। जो सड़कों पर दौड़ लगाकर आपातकालीन स्थिति व मरीजों को जल्द से जल्द अस्पतालों में पहुंचाने का कार्य करती है। विभाग की तरफ से जिला नागरिक अस्पताल, महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर, गोहाना अस्पताल, गन्नौर अस्पताल, खरखौदा, बढ़खालसा, मुंडलाना, जुआं सीएचसी सहित पीएचसी पर उक्त एंबुलेसों की तैनाती की गई है।

तकनीकी खराबी

गाड़ियों को ठीक करवाने के लिए उच्च अधिकारियों को अवगत करवाना होता है। दस हजार रुपये खर्च की लोकल पर अनुमति लेनी होती है। उससे ज्यादा खर्च के लिए विभाग से पत्राचार किया जाता है। इस संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। गाड़ियों को ठीक करवाने के लिए सर्विस सेंटर पर भेजा गया है। गाड़ियों में तकनीकी खराबी समय-समय पर आ जाती है। जिन्हें समय पर ही ठीक करवाने के लिए प्रयासरत है। *डा. सुभाष गहलावत, नोडल अधिकारी।*

एमएससी गणित के चौथे सैमेस्टर में दिव्या बनी विश्वविद्यालय की टॉपर

- विश्वविद्यालय स्तर पर दूसरा स्थान जीवीएम की अनु के नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। विवि स्तर पर टॉप करने वाली छात्राओं के साथ प्राचार्या एवं अन्य।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के अंतर्गत एमएससी गणित के चौथे सैमेस्टर में जीवीएम गर्ल्ज कालेज की छात्राओं ने विवि स्तर पर पहले दोनों स्थान कब्जाये हैं। जीवीएम की दिव्या 88.04 % अंकों के साथ विवि की टॉपर बनी है। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने टॉपर्ज को बधाई देते हुए उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की। जीवीएम की स्नातकोत्तर गणित विभाग की अध्यक्ष मीतू मनोचा ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद विवि रोहतक ने एमएससी गणित के चौथे सैमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये हैं, जिनमें जीवीएम की छात्राओं ने दमदार प्रदर्शन किया है। जीवीएम की अनु ने 87.60 % अंक लेकर विवि में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कालेज की प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने दिव्या व अनु का कालेज में अभिनंदन किया।

सोनीपत। शोधार्थियों के साथ कुलपति एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

शोधार्थियों के साथ वीसी ने की बैठक

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल रिसर्च को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय शोधार्थी द्वारा पेटेंट फाइल करने में भी सहायता करेगा। शोधार्थियों के साथ बैठक में कुलपति प्रो.श्री प्रकाश सिंह ने यह सौगात देने की घोषणा की। कुलपति प्रो. सिंह के साथ कुलपति सचिवालय में शोधार्थियों के साथ मीटिंग में कहा कि वर्तमान समय में वहीं राष्ट्र विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, जो देश तकनीकी क्षेत्र में आगे व आत्मनिर्भर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं। इसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षण संस्थान का अहम योगदान होगा।

मार्डन पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह कल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

- मुख्यातिथि गन्नौर के विधायक कादियान होंगे।

मार्डन पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह 9 मार्च को रेलवे रोड चिराग गार्डन में धूमधाम से मनाया जाएगा। यह जानकारी स्कूल की प्रधानाचार्या महक धनखड़ ने दी। उन्होंने बताया कि समारोह के मुख्यातिथि गन्नौर के विधायक देवेन्द्र कादियान होंगे। विशेष अतिथि जैन कालेज के प्रधानाचार्य डा. मनोज व अति विशिष्ट अतिथि समाजसेवी हरीश वधवा होंगे। इसके अलावा स्कूल के चेयरमैन अशोक वर्मा भी शिरकत करेंगे। धनखड़ ने अभिभावकों से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की।

भाषण प्रतियोगिता में प्राची प्रथम

- जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। विजेता विद्यार्थी प्रमाण पत्र दर्शाते हुए। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय पीपली और हरियाणा राज्य सहकारी विकास महासंघ लिमिटेड के सहयोग से सतत विकास और प्रगति में सहकारी संस्थाओं की भूमिका पर जिला स्तरीय अंतर महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिला के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय प्राचार्या डॉ तराना नेगी और हरियाणा राज्य सहकारी विकास महासंघ के शिक्षा अधिकारी ऋषिपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व कौशल को प्रोत्साहित करते हैं।

प्रतियोगिता में हिन्दू गर्ल्स कॉलेज सोनीपत की छात्रा प्राची ने प्रथम, शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पीपली की छात्रा निशु ने द्वितीय और सीआरए सोनीपत की छात्रा शिप्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मयंक राणा, शिव करण बीएड कॉलेज, मटिन्डू, जोगिता, राजकीय महाविद्यालय जाखौली, ललिता ताऊ देवीलाल महिला महाविद्यालय मुरथल और दीक्षा कन्या कालेज, खरखौदा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। आउटरीच प्रोग्राम की इंचार्ज डॉ किरण सरोहा ने कहा कि सहकारी संस्थाएं समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर विकास की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

अधिवक्ता रिलीफ फंड का गठन किया जाएगा

- बार एसो खरखौदा पदाधिकारियों ने ली संविधान की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। बार एसोसिएशन प्रधान को प्रमाण पत्र देते मुख्य अतिथि।

बार एसोसिएशन खरखौदा के सभागार में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर विक्रांत सीनियर डिवीजन सिविल जज, सूर्य करण चौधरी जूनियर डिवीजन सिविल जज खरखौदा, एसडीएम डॉ निर्मल नागर तथा असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी इंदु चौहान ने कार्यक्रम में शिरकत की। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एडवोकेट कमल शर्मा ने अध्यक्षता की। नवनिर्वाचित प्रधान आशुतोष सरोहा, उप प्रधान साहिल गनौत्रा, सचिव अमित दहिया, सह सचिव मोहित दहिया, तथा कोषाध्यक्ष सुमित कुमार को संविधान की शपथ दिलाई गई। निर्वाचन अधिकारी अनिल धनखड़ व मुख्य अतिथियों ने जीत का प्रमाण पत्र देकर नवनिर्वाचितों को सम्मानित किया। चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए चुनाव अधिकारी अनिल धनखड़ सहायक चुनाव अधिकारी संदीप कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। नव निर्वाचित प्रधान आशुतोष सरोहा ने निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए निर्वाचित अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी, लाइब्रेरी इंचार्ज प्रवीण गहलावत व सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। बार एसो. के किसी भी वकील या उनके परिवार के साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो क्षतिपूर्ति, सहायता प्रदान करने के लिए अधिवक्ता रिलीफ फंड का गठन किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सुमित कौशिक, ललित कुमार, सत्यजीत दहिया, जितेंद्र दहिया, प्रवीन रावत, गजे सिंह, सुधीर गुलिया, जयदीप सरोहा, विकास दहिया, राकेश दहिया, सौरभ दहिया, प्रवीन पाराशर, वरुण त्यागी, सुंदरलाल पाराशर, प्रवीण जांगड़ा, मोहित कौशिक सोहनलाल, मोहन, अमित दहिया, तरुण कौशिक, राजीव सरोहा, जय किशन शर्मा, योगेश दहिया, राकेश सैनी मौजूद रहे।

सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश

- यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

यातायात प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को निर्देश देते एसडीएम प्रवेश कादिया

एसडीएम प्रवेश कादियान ने शुक्रवार को यातायात प्रबंधन को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में नायब तहसीलदार गजे सिंह, बीडीपीओ पूनम चंदा, बड़ी थाना प्रभारी युद्धवीर सिंह, यातायात पुलिस चौकी इंचार्ज शमशेर सिंह, एचएसआइआइडीसी बड़ी के प्रबंधक तरुण कुमार, एनएचएआई के अधिकारी उपस्थित हुए। इस दौरान एसडीएम ने यातायात पुलिस को निर्देश दिए कि वाहनों की फिटनेस और ओवरलोडिंग वाहनों की नियमित चेकिंग की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के वाहन जब्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि जीटी रोड पर बड़ी काली माता मंदिर के निकट व बड़ी औद्योगिक क्षेत्र के फेज 1 और 2 के पास सड़क दुर्घटानाओं के मामले ज्यादा सामने आते हैं। ऐसे में वहां जगहों का चयन कर वहां सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए जहां भी जीटी रोड पर अवैध कट खुले हैं उन्हें तुरंत बंद करें और यदि कहीं ग्रिल टूटी हुई हैं उन्हें भी ठीक करवाएं। थाना बड़ी प्रभारी युद्धवीर व एचएसआइआइडीसी बड़ी के प्रबंधक तरुण कुमार को औद्योगिक क्षेत्र फेज 1 व 2 के सामने सीसीटीवी लगवाने की प्रक्रिया शुरू करें।

गोहाना। कार्यक्रम में महाविद्यालय के स्टाफ सदस्यों के साथ अतिथि।

देश के लिए काम करें युवा

गोहाना। राजकीय महिला महाविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुक्रवार को छठा दिन रहा। शिविर में स्वयंसेविकाओं को समाज कार्यों में बढ़ चढकर भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर के लिए संयुक्त संयोजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा देवी और प्रवीण देवी का रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शमशेर सिंह हुड्डा ने कहा कि समाज में युवाओं की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। युवाओं की बुद्धिमता और मेहनत से ही देश व समाज विकास के पथ पर आगे बढ़ता है। युवाओं में समाज परिवर्तन की क्षमता होती है। प्राचार्य ने कहा कि एनएसएस समाजसेवा का एक माध्यम है। युवा एनएसएस से जुड़कर समाज व देश के लिए काम करें।

इंटरनेट के लाभ-हानि विषय पर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

- प्रथम वृंदिका, द्वितीय स्थान जतिन तृतीय स्थान सिंपी ने प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते प्राचार्या सुमन दहिया।

दिल्ली मार्ग पर स्थित जेबीएच स्कूल में इंटरनेट के लाभ-हानि विषय पर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छठी से कक्षा 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। घोषित परिणाम के अनुसार प्रथम स्थान वृंदिका, द्वितीय स्थान जतिन, तृतीय स्थान सिंपी ने प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के दौरान स्कूल प्राचार्या सुमन दहिया ने इंटरनेट के लाभ बताते हुए कहा कि इंटरनेट जनसंचार का माध्यम है। इससे हम शिक्षा और घर पर बैठे देश के किसी भी कोने की जानकारी को हासिल कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें हानि बताते हुए कहा कि इंटरनेट से व्यक्ति सामाजिक संबंधों से दूर हो जाता है। इस मौके पर कविता गर्ग, प्रीति दहिया, वंदना दहिया, पलक शुक्ला, कविता पांचाल, मंजू दहिया, अलीशा, आशीष आदि अध्यापक मौजूद रहे।

योजना इंस्पायर अवार्ड योजना में 24 आइडिया हुए चयनित होंगे

सभी विद्यार्थियों के बैंक खातों में भेज जाएंगें 10-10 हजार रुपये

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति दिलचस्पी बढ़ाना है उद्देश्य, 982 थे आवेदन करने वाले विद्यार्थी

- कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 10 तक के जिन मेधावियों के आइडिया चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा शुरू की गई इंस्पायर अवार्ड योजना में जिले के 24 विद्यार्थियों के आइडिया चयनित किए गए हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति दिलचस्पी बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना में चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग द्वारा विद्यार्थियों को अपने आइडिया पर मॉडल बनाने के लिये 10-10 हजार रुपये दिए जाएंगें। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से इंस्पायर अवॉर्ड योजना की शुरूआत की गई थी, ताकि विद्यार्थियों में सृजनशीलता एवं रचनात्मक सोच को बढाया जा सके। मान्यता प्राप्त निजी और राजकीय स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने वाले कक्षा छह से 10वीं तक के 982 विद्यार्थियों ने योजना के तहत आवेदन किए थे। इनमें से सर्वश्रेष्ठ 24 आइडिया चयनित किए गए हैं। इन विद्यार्थियों को अब अपने आइडिया को वास्तविक मॉडल में बदलने के लिए प्रति विद्यार्थी 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। कक्षा 6 से 10वीं तक मेधावियों का हुआ चयनः जिला विज्ञान विशेषज्ञ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि योजना के तहत विद्यार्थी विज्ञान आधारित संबंधित विषय पर मॉडल तैयार करते हैं। इसका उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों की छोटी आयु से ही विज्ञान विषय के प्रति रूचि बढ़ाना है। कार्यक्रम के तहत कक्षा 6 से 10 तक के जिन मेधावियों के आइडिया चयनित होते हैं, उनको 10-10 हजार रुपये की अवॉर्ड राशि प्रदान की जाती है, जिसका प्रयोग मॉडल बनाने व उसे प्रदर्शनी में पहुंचाने के लिए किया जाता है। अवॉर्ड विजेता विद्यार्थी जिला, राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हैं। बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रपति की तरफ से सम्मानित किया जाता है।

24 विद्यार्थियों ने स्थान बनाया

इंस्पायर अवॉर्ड योजना के लिए जिले के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने आवेदन किया था। इन विद्यार्थियों ने बेहतरीन मॉडल बनाकर प्रस्तुत किए थे। चयनित विद्यार्थियों की सूची में जिले के 24 विद्यार्थियों ने स्थान बनाया है।
सुरेंद्र सिंह, जिला विज्ञान विशेषज्ञ, सोनीपत।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंची पूर्व मंत्री कविता जैन व भाजपा नेता राजीव जैन।

आठ दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

सोनीपत। पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन व मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने सेक्टर 15 स्थित दिगंबर जैन मंदिर में नव निर्मित विद्यासागर संत भवन का लोकार्पण करके आठ दिवसीय सिद्ध चक्र विधान का ध्वजारोहण करके शुभारम्भ किया। शुक्रवार को विधान से पूर्व कलश यात्रा भी निकाली गई जिसमे आगे-आगे पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा उठाये जैन श्रद्धालु नाचते गाते चल रहे थे। कविता जैन ने कहा कि जैन धर्म एवं वैज्ञानिक धर्म है जिसके नियमों का पालन करने से तन मन स्वस्थ रहता है और भक्ति मार्ग पर चलने कि शक्ति मिलती है। मंदिर प्रधान सुरेश जैन ने बताया कि मंदिर को यह प्लाट 1990 में आबंटित हुआ था परन्तु कब्जा एवं रजिस्ट्री नहीं हुई थी, इस कार्य को 30 वर्षों बाद कविता के मंत्री काल में सिरे चढ़ाया गया और जमीन की रजिस्ट्री की राशि भी कविता जैन ने अपने मंत्री कोटे से प्रदान की जिसके लिए पूरा समाज आभार व्यक्त करता है। अधिवक्ता एवं प्रधान सुरेश मौजूद रहे।

प्रधान पर रिकार्ड चोरी का आरोप, चौकी में शिकायत

सोनीपत। जिला बार एसोसिएशन में चुनाव के बाद नवनियुक्त प्रधान व अन्य पर रिकार्ड चोरी करने के आरोप का मामला सामने आया है। मामले को लेकर कोर्ट चौकी पुलिस में शिकायत दी है। वहीं शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने बैठक करके प्रधान को डी-बार करने की बात कही। मामले को लेकर हाल में चुने गए प्रधान अनिल दूल ने दूसरे पक्ष पर चुनाव में हार के चलते गलत आरोप लगाने की बात कही है। साथ ही बार की नई कार्यकारिणी द्वारा ठोस कार्यवाही करने की बात कही है।

मिली जानकारी के अनुसार अधिवक्ता जयभगवान शर्मा ने सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया। कमेटी के सदस्यों द्वारा बार परिसर हाल में बैठक की गई। जिसमें बताया कि कल रात बार इलेक्शन का रिकॉर्ड अनिल दूल व उसके साथी द्वारा चोरी कर लिया गया व बार के जी-मेल बार के कंप्यूटर से बंद कर दी गयी है। इसके साथ बार की सारी मोहर साथ ले गए हैं।

खबर संक्षेप

सोनीपत। शिकायत लेकर पहुंचे परिजन व सामाजिक संगठन।

फास्ट फूड विक्रेता से मारपीट, केस दर्ज

सोनीपत। शहर के पटेल नगर के रहने वाले फास्ट फूड विक्रेता ने एक धर्म विशेष के युवकों पर हमला करने, उसकी रेहड़ी तोड़ने और देवी-देवताओं के बारे में अपशब्द बोलने के आरोप का मामला सामने आया है। शुक्रवार को संगठनों के सदस्य पीड़ित परिवार के साथ पुलिस आयुक्त कार्यालय में पहुंचा। जहां अपनी शिकायत को डीसीपी नरेंद्र कादियान को सौंपा। डीसीपी ने मामले की जांच सौंपी गई है। मामले में दो आरोपितों के गिरफ्तार हो चुकी है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत

सोनीपत। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला को चपेट में ले लिया। घायल महिला को उपचार के लिए निजी अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

अक्षिता करेगी हरियाणा का प्रतिनिधित्व

सोनीपत। आर्य कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छठी कक्षा की छात्रा अक्षिता पुत्री जितेंद्र ने 4 मार्च को उमरा खेल ग्राउंड, हांसी में तीरंदाजी प्रतियोगिता में अंडर 13 कैटेगरी में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में अक्षिता ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन का परिचय दिया और राष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान सुनिश्चित किया राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 20 मार्च से 22 मार्च तक आंध्र प्रदेश में होने वाली होने वाली है। जहां अक्षिता हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। अक्षिता ने अपनी प्रतिभा से न केवल विद्यालय का बल्कि अपने माता-पिता और अपने जिले का भी नाम रोशन किया है।

छात्रा अक्षिता।

सेक्टर 14 कम्युनिटी सेंटर में कवि सम्मेलन कल

सोनीपत। वनवासी कल्याण आश्रम के तत्वावधान में वनवासी लोगों की सहायता हेतु कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य संरक्षक डॉ. रमेश बत्रा ने बताया कि 9 मार्च को सेक्टर 14 स्थित कम्युनिटी सेंटर में कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें राष्ट्रीय कवि संगम के महामंत्री डॉ. अशोक बत्रा, अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. सारस्वत मोहन मनीषी आमंत्रित कविगण हैं। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष होंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

प्रिंसिपल एडवाइजर शहरी विकास डीएस ढेसी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

कुंडली में 50 करोड़ की लागत से बनेगा एसटीपी, सीवरेज लाइन भी डाली जाएगी

- अटेरना में बनाए जा रहे एसटीपी तक बिजाई जा रही सीवरेज लाइनों के टेंडर को एचईडब्ल्यू पोर्टल पर करें अपलोड
- यमुना के सफाई को लेकर जिला स्तर पर कार्य करें संबंधित विभागों के अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

प्रिंसिपल एडवाइजर शहरी विकास डीएस ढेसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अटेरना में बनाए जा रहे एसटीपी तक बिजाई जा रही सीवरेज लाईनों के टेंडर अगले 10 दिन में हरियाणा इंजीनियरिंग वर्क पोर्टल (एचईडब्ल्यू) पर अपलोड करना सुनिश्चित करें ताकि संबंधित कार्य को पूरा करने में किसी प्रकार की देरी न हो। शुक्रवार को हरियाणा शहरी विकास के प्रधान सलाहकार डीएस ढेसी ने सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण की बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कुण्डली में 50 करोड़ की लागत से होने वाले विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस उन्होंने कुण्डली में गन्दे पानी की निकासी को लेकर 50 करोड़ की लागत से 7.5 एमएलडी की क्षमता का एसटीपी, 3 पंप स्टेशन तथा 7.2 किलोमीटर की सीवरेज लाईन बिछाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस कार्य के पूरा होने से कुण्डली में गन्दे पानी की निकासी के कार्य में आसानी होगी और लोगों को परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी कुण्डली में होने वाले विकास कार्यों के डिटेल अस्टीमेट अगले 10 दिन में एचईडब्ल्यू पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें ताकि विकास कार्य जल्द शुरू हो सके। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुण्डली में बनने वाले एसटीपी की जमीन को लेकर जो एनओसी जारी करनी है उसे तुरंत जारी करें। उन्होंने कहा कि यमुना की सफाई को लेकर जिला स्तर पर भी सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मिलकर कार्य करें ताकि यमुना में गन्दा पानी न जा पाए।

सोनीपत। अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए प्रिंसिपल एडवाइजर एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

ये अधिकारी वीसी से जुड़े

वीसी के माध्यम से फरीदाबाद नगर आयुक्त ए मोना श्रीनिवास ने बैठक में भाग लिया। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार, नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार, नगराधीश डॉ. अनमोल, डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार, सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण से चीफ इंजीनियर याजेश मोहन मेहरा, एचएसवीपी से एसई पवन कुमार, एसएमडीए से डीटीपी नीलम शर्मा, डीटीपी अजमेर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राई। तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में संबोधित करते स्पेशल एजुकेशन एसडीटी विश्वविद्यालय के डीन डा. जयंती पुजारी। फोटो : हरिभूमि

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने पर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

- रेणु विद्या मंदिर द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

रेणु विद्या मंदिर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन दिव्यांगजन और उनके परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने, उत्साह, जागरूकता और प्रेरणादायक संदेश दिया गया। शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने दिव्यांगजनों की मानसिक भलाई, समावेशन और समाज में उनकी भूमिका को सशक्त बनाने पर विचार साझा किए। दूसरे सत्र में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, सरकारी योजनाओं, पुनर्वास तकनीकों और परिवारों की भागीदारी पर चर्चा की। रामेश्वर सेवा संस्थान के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की अतिथियों ने सराहना की। स्पेशल एजुकेशन एसडीटी विश्वविद्यालय के डीन डा. जयंती पुजारी ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य व अन्य मुद्दों पर मंथन किया।

सामान चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित काबू

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने घर से सामान चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सागर निवासी फाजिलपुर व अक्षय निवासी प्रतापगढ़ यूपी का है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

अवैध कब्जाधारियों पर कसा शिकंजा दातौली में ढहाए गए अवैध निर्माण

- हाईकोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन सख्त, कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गांवो में अवैध कब्जाधारियों पर पंचायत विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को पंचायत विभाग ने दातौली गांव में अवैध कब्जा कर किए गए अवैध निर्माण को जेसीबी मदद से ढहा दिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट पंचायत विभाग के एसडीओ विपुल छोक्कर के नेतृत्व में विभाग के कर्मचारी पुलिस बल के साथ दातौली गांव में पहुंचे और अवैध कब्जाधारियों के द्वारा बनाए गए मकानों, चार दिवारी को ध्वस्त कर दिया। पंचायत विभाग की सख्ती को देखते हुए बाकी गांव जिनमें शाहपुर तगा, खेड़ी तगा, पुगथला ने पंचायत विभाग को लिखित में आश्वासन दिया कि वह खुद ही पांच दिन के भीतर अपने कब्जे कब्जे हटवा लेंगे। जिस पर विभाग द्वारा इन गांवो में कब्जा खाली करवाने की कार्रवाई नहीं की। बीडीपीओ पूनम चंदा ने आदेश दिए कि जिस भी गांव में अवैध कब्जे कर रखे हैं उन्हें खुद खाली कर दें अन्यथा विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गन्नौर। दातौली गांव में अवैध निर्माण को ढहाती जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

गांवों में अवैध कब्जों पर चला प्रशासन का पीला पंजा

- प्रशासन द्वारा अवैध कब्जे हटाने की करवाई जा रही वीडियोग्राफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

पंजाब एंड हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश पर स्थानीय प्रशासन का शुक्रवार को दूसरे दिन भी विभिन्न गांवों में अवैध कब्जों पर पीला पंजा चला। प्रशासन द्वारा कब्जे हटवाने की वीडियोग्राफी भी करवाई गई।

एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय के अनुसार उच्च न्यायालय द्वारा प्रशासन को 23 गांवों में 36 जगह अवैध कब्जे हटाने के निर्देश जारी किए गए हैं। कब्जे हटवाने के लिए गोहाना के नायब तहसीलदार अभिमन्यु, खानपुर उप तहसील के नायब तहसीलदार अशोक कुमार, खंड गोहाना के बीडीपीओ परमजीत, एसडीओ पंचायती राज अनिल खत्री व एसडीओ जितेंद्र खोखर को डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। इसके साथ पुलिस बल की टीमें भी साथ लगाई गई हैं। ड्यूटी मजिस्ट्रेट को 8 मार्च तक अवैध कब्जे हटाने की रिपोर्ट सौंपनी है।

एसडीएम ने कहा कि जिन ग्रामीणों द्वारा अवैध कब्जे किए गए हैं वे जमीन को कब्जा मुक्त कर दें। अगर वे खुद अवैध कब्जे नहीं हटाएंगे तो प्रशासन द्वारा कब्जा हटाने की कार्रवाई की जाएगी। कुछ ग्रामीणों द्वारा स्वयं अवैध कब्जे हटाने की बात भी कही गई है।

गोहाना। अवैध निर्माण को गिराते हुए जेसीबी। फोटो : हरिभूमि

ताजपुर में करंट लगने से 14 वर्षीय बच्चे की मौत

- करंट लगने से शरीर में लगी आग, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

मुरथल थाना क्षेत्र के गांव ताजपुर स्थित एक एक फार्म हाउस में आई बारात के चल रहे नाच गाने के दौरान रुपये इकट्ठा कर रहे किशोर को करंट लग गया। करंट लगने से किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। शादी समारोह में बारातियों द्वारा फेंके रुपये लेने के लिए किशोर छत पर चढ़ा। बिजली की लाइन से करंट लगने से झुलस गया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। नागरिक अस्पताल में शव लेने पहुंचे संजीव ने बताया कि गांव ताजपुर में स्थित फार्म हाउस में बारात आई हुई थी। बाराती नाचते हुए फार्म हाउस पर पहुंचे। जहां कक्षा आठवीं में पढ़ने वाले हिमांशु (14) बारातियों द्वारा खुशी में फेंके जा रहे रुपयों को इक्ट्ठा कर रहा था। उसी दौरान रुपये छत पर गिर गए।

सोनीपत। मृतक का फाइल फोटो व अस्पताल में कागजी कार्रवाई करती पुलिस।

ये बोली पुलिस

ताजपुर में स्थित फार्म हाउस पर करंट लगने से किशोर की मौत की सूचना मिली थी। शादी समारोह के दौरान बाराती खुशी में रुपये फेंक रहे थे। जिसे उठाने के दौरान किशोर को करंट लग गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

-सतीश कुमार, जांच अधिकारी

भाजपा की दूरदर्शी नीतियों से भारत बना वैश्विक शक्ति : राजेश शर्मा

- भाजपा केंद्रीय नेतृत्व में देश का आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी विकास हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भाजपा की दूरदर्शी नीतियों से भारत पूरे विश्व में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। आज पूरी दुनिया भारत को जानना चाहती है। यह बात भाजपा बुटाना मंडल के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कही। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी विचारधारा और भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने भारत को पूरे विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। आज हमारा भारतवर्ष आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी विकास की ओर बढ़ रहा है। भारत वैश्विक शक्ति बन चुका है। इसका एक सफल उदाहरण हाल ही में फ्रांस में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) समिट में भारत का सशक्त प्रतिनिधित्व था। समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शामिल होने का मौका मिला और भारत इस कार्यक्रम का सह आयोजक था। भाजपा नेता राजेश शर्मा ने कहा कि जिन प्रदेशों में भाजपा सत्ता में है उन प्रदेशों में विकास को नई रफ्तार मिली है। हरियाणा प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है।

राजेश शर्मा

संदिग्ध हालत में बच्ची की मौत मामला, पुलिस को विसरा रिपोर्ट का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

- महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर में हुआ पोस्टमार्टम, विसरा रिपोर्ट में होगा मौत के सही कारणों का खुलासा

राई थाना क्षेत्र के गांव सेवली में दुधमुंही बच्ची की संदिग्ध परिस्थिति में मौत मामले में मृतका की मां ने ससुराल पक्ष पर बच्ची की हत्या का आरोप लगाकर गुरुग्राम के फरूखनगर में शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें पुलिस ने शून्य एफआईआर दर्ज कर उसे राई थाना पुलिस के पास भेजा। जहां पुलिस ने शव को बाहर निकालकर महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर में शव का पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने विसरा रिपोर्ट को जांच के लिए लैब में भेजा है। रिपोर्ट में बच्ची की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। फरूखनगर देवली गुरुग्राम निवासी मीनू ने पुलिस को शिकायत देकर बताया था कि उसकी शादी गांव सेवली निवासी सुधीर के साथ हुई थी। दोनों की आठ साल की पहली बच्ची है। उसके बाद जनवरी में दोनों के बीच मनमुटाव हो गया। जिसके चलते वह अपने मायके जाकर रहने लगी। उसने गत 23 जनवरी को बच्ची को जन्म दिया। बच्ची पैदा होने की जानकारी मिलने के बाद सुधीर उसके पास आया। उसके पास से बच्ची को अपने साथ सेवली ले आया। इसके बाद 28 फरवरी को बच्ची की तबीयत खराब हो गई। सुधीर ने बच्ची को शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां बच्ची की मौत हो गई।

40 छात्राओं ने सर्टिफिकेट कोर्स में लिया हिस्सा

सोनीपत। टीका राम कन्या महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा कम्प्यूटर से हिन्दी का महत्व विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स 28 जनवरी से शुरु किया गया। जिसका समापन 6 मार्च को हुआ। इस कोर्स में 40 छात्राओ ने हिस्सा लिया। कोर्स की समाप्ति पर सभी छात्राओ को कॉलेज प्राचार्या गीता ने छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए। प्राचार्या ने कोर्स छात्राओ को कम्प्यूटर का महत्व व आज के युग में इंटरनेट के माध्यम से कैसे हम हिन्दी में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते है इसकी जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. नीलम दहिया व डॉ. प्रवेश रापड़िया भी उपस्थित रहे।

प्रतिभागी छात्राओं के साथ प्राचार्या एवं अन्य।

आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

पारुल 17 बार रक्तदान व दो बार केश कर चुकी दान

- पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और हरियाणावी संस्कृति के प्रचार प्रसार में योगदान दे रही है पारुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

पारुल दहिया समाज सेवा, मानवता और निस्वार्थ सेवा करने वालों के लिये प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है। रक्तदान, कैंसर पीड़ितों के लिए बाल दान, योग, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार जैसे क्षेत्रों में उनका योगदान उल्लेखनीय है। वह अब तक 17 बार रक्तदान कर चुकी हैं। सैकड़ों से अधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया है। स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न संस्थानों में रक्तदान जागरूकता अभियान चलाए हैं। उन्होंने दो बार अपने बाल दान किए, ताकि कैंसर रोगियों के लिए विग तैयार किए जा सकें। उनके प्रयासों से लगभग 15 महिलाओं ने भी अपने बाल दान किए। वह लंबे समय से योग से जुड़ी हुई हैं और विभिन्न योग कार्यक्रमों में सक्रिय हैं। जिसके लिए हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, पतंजलि योग समिति और स्वामी रामदेव द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणा के राज्यपाल, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष, जिला प्रशासन सोनीपत और कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा उन्हें उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। इतना ही नहीं, वह इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सोनीपत शाखा की आजीवन सदस्य हैं।

खरखौदा। महामहिम राज्यपाल से सम्मान प्राप्त करते हुए पारुल दहिया तथा हरियाणवी वेशभूषा में पारुल दहिया। फोटो : हरिभूमि

महिला सशक्तिकरण व पर्यावरण संरक्षण

पारुल ने आर्यावर्त नारी शक्ति नामक एक टीम बनाई हुई है, जिसमें सैकड़ों महिलाएं शामिल हैं। उक्त टीम देशभर में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, जनहित और पर्यावरण से जुड़े कार्य कर रही है। उन्होंने पंछियों का होटल अभियान की शुरुआत की है। जिसके तहत सैकड़ों स्थानों पर पक्षियों के लिए जल एवं भोजन की व्यवस्था की गई। कचरे के डिब्बों में पेड़-पौधे लगाकर उन्हें वितरित करने का कार्य भी किया। अब तक हजारों से अधिक पौधे लगा चुकी हैं और लोगों को वितरित कर चुकी हैं।

सोनीपत। संगोष्ठी में शामिल प्रतिभागी एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर करवाई संगोष्ठी

सोनीपत। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय सोनीपत के लैंगिक न्याय एवं मानवाधिकार केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष पर 'लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने का महत्व' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में भारतीय खेल प्राधिकरण से अंशुली प्रिया एवं रंजना ने विश्वविद्यालय की छात्राओं को उचित नुट्रिशन तथा मानसिक संतुलन बनाये रखने संबंधी जानकारी दी। इस दौरान विश्वविद्यालय की छात्राओं ने मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए करवाई गयी विभिन्न गतिविधिओं में भाग लिया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अर्चना मिश्रा ने कहा कि छात्राओं के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनका मानसिक विकास होने भी अति आवश्यक है, इसके लिए सभी छात्राओं को प्रतिदिन व्यायाम एवं प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। इस अवसर पर केंद्र की संचालिका डॉ. पूजा जायसवाल, डॉ. संजय, डॉ. कुलवंत, डॉ. मधुकर, डॉ. अमित, डॉ. ज्योति, नवनीत आदि मौजूद रहे।